समाचार पत्र

वट वृक्ष

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता

अप्रैल-जून, 2024

महानिदेशक की कलम से

प्रिय पाठक,

मुझे वित्तीय वर्ष 2024-25 के शुभारंभ के अवसर पर "वट वृक्ष" के प्रथम तिमाही संस्करण प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। इस संस्करण के मुखपृष्ठ पर प्रिंसेप घाट के स्मारक को दर्शाया गया हैं, जो कोलकाता के अनमोल ऐतिहासिक धरोहरों में से एक है। प्रिंसेप घाट एक प्रमुख ऐतिहासिक स्मारक है जो हुगली नदी के तट पर स्थित सबसे पुराने मनोरंजन स्थलों में से एक है। इसे 1841 में ब्रिटिश राज के दौरान बनाया गया था और इसका नाम ब्रिटिश विद्वान और पुरातत्वविद जेम्स प्रिंसेप के नाम पर रखा गया था। प्रिंसेप घाट अपनी सुंदर ग्रीक और गॉथिक वास्तुकला के लिए जाना जाता है, जो सुरुचिपूर्ण कॉलम और मंडपों की विशेषता बताता है। नदी किनारे स्थित यह घाट एक मनोरम सैरगाह है और यहां से विद्यासागर सेतु (दूसरा हुगली ब्रिज) और हावड़ा ब्रिज का अद्भुत दृश्य दिखाई देता है।

इस तिमाही के दौरान, हमने तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता (टी.जी.एस) के कार्यान्वयन पर एक अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, नव नियुक्त प्रभागीय लेखाकारों के लिए प्रारंभिक प्रशिक्षण के साथ-साथ एम.सी.टी.पी लेवल -3, पर्यावरण लेखापरीक्षा, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा सहित कंपनी अधिनियम और डाटा विश्लेषण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस समाचार पत्र के माध्यम से हम अपने पाठकों को क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के प्रदर्शन और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रशिक्षण सामग्री और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बेहतर बनाने हेतु आपका सहयोग आवश्यक है। प्रशिक्षण सामग्री में सुधार/संशोधन हेतु हम आपके विचारों एवं सुझावों का स्वागत करते हैं। आप rtikolkata@cag.gov.in साइट के जरिए हमसे जुड़ सकते हैं।

महानिदेशक

क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं.,कोलकाता

विषय-सूची	
विवरण (अप्रैल से जून, 2024)	**Page No.**
(क) महत्वपूर्ण दिनों, बैठकों और पाठ्येतर गतिविधियों का अनुपालन	**4**
(i) रवींद्र जयंती, 2024	**4**
(ii) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2024	**5**
(iii) इन-हाउस हिंदी कार्यशाला	**6**
(ख) प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	**7**
(i) नवनियुक्त प्रभागीय लेखाकारों के लिए प्रारंभिक प्रशिक्षण	**7**
(ग) मध्य कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम	**9**
(i) एमसीटीपी-लेबेल-3 का प्रशिक्षण	**10**
(घ) ज्ञान केंद्र की गतिविधियाँ	**12**
(i) ग्राम पंचायतों के संबंध में तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता (टी.जी.एस) के कार्यान्वयन पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन	**12**
(ii) युवा पेशेवरों की भर्ती	**14**
(iii) *एस.टी.एम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ*	**15**
(ड़) सामान्य प्रशिक्षण	**15**
(i) पर्यावरण लेखा परीक्षा	**15**
(ii) वेतन एवं लेखा कार्यालय की लेखापरीक्षा	**16**
(iii) तिमाही के दौरान आयोजित अन्य सामान्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	**18**
(च) सूचना प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण	**21**
(i) डाटा विश्लेषण	**21**
(ii) आई.डी.ई.ए.	**23**
(iii) एमएस एक्सेल का एडवांस प्रशिक्षण	**24**
(iv) अन्य आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम	**26**
(छ) उपयोगकर्ता कार्यालयों की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए और इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को मूलभूत सुविधाएँ प्रदान किए गए।	**27**
(ज) उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि. के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण दिया गया।	**28**
(झ) प्रश्नोत्तरी	**33**
(ञ) प्रश्नोत्तरी के उत्तर	**35**

(क)क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता में अप्रैल से जून, 2024 तिमाही के दौरान महत्वपूर्ण दिवसों, बैठकों और पाठ्येतर गतिविधियों का अनुपालन किया गया।

(i) **क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता में 08 मई 2024 को रवींद्र जयंती समारोह का आयोजन किया गया।**

श्री रंजन दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/मुख्य संकाय, क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता ने दीप प्रज्वलन के साथ रवींद्र जयंती समारोह का शुभारंभ किया।

सुप्रसिद्ध कवि, दार्शनिक और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के उपलक्ष्य में 8 मई 2024 को क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता में रवींद्र जयंती मनाया गया। टैगोर पहले गैर-यूरोपीय थे जिन्हें "गीतांजलि" के लिए 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला, उन्हें हर साल इस तिथि पर सम्मानित किया जाता है।

संस्थान ने इस अवसर पर एक बहुत ही अच्छा कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें हमारे कार्यालय के सदस्यों द्वारा कविता पाठ और कहानी सुनाने का कार्यक्रम शामिल था। इस समारोह में रवींद्रनाथ टैगोर के जीवन और योगदान पर एक ज्ञानवर्धक प्रस्तुति भी शामिल थी, जिसमें उनकी साहित्यिक और दार्शनिक विरासत के गहन प्रभाव को दर्शाया गया।

मुख्य संकाय सदस्यों और अधिकारियों ने रवींद्र जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया।

(ii) क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता में 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2024 का आयोजन किया गया।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्ताव के बाद संयुक्त राष्ट्र ने 2014 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया। अपनी स्थापना के बाद से, यह दिन एक वैश्विक आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है, जिसमें हर साल लाखों लोग शामिल होते हैं।

21 जून, 2024 को, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया, जिसमें स्वास्थ्य और कल्याण पर योग के गहन प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। इस दिन का उद्देश्य शारीरिक स्वस्थता, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन सहित योग के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। वर्ष 2024 के योग दिवस का विषय "स्वयं और समाज के लिए योग" था, जो व्यक्तियों और समुदायों दोनों के लिए योग के समग्र लाभों को रेखांकित करता है।

संस्थान परिसर में आयोजित योग सत्र में भाग लेते अधिकारीगण।

(iii) 19 जून 2024 को इन-हाउस हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई है

19 जून 2024 को क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें एक वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी और दो सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में उप निदेशक, पूर्वी क्षेत्र, हिंदी शिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, कोलकाता के कार्यालय से श्री लखन कुमार सिंह सहायक निदेशक (भाषा) ने अपनी विशेषज्ञता प्रदान की।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को राजभाषा अधिनियम, 1963 के अनुपालन में द्विभाषी पत्र जारी करने, हिंदी पत्राचार का जवाब देने और अंग्रेजी से हिंदी में दस्तावेजों का अनुवाद करने के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी गई। कार्यशाला में उचित शब्दावली के उपयोग और राजभाषा से संबंधित विशिष्ट प्रावधानों को समझने पर भी चर्चा की गई।

श्री लखन कुमार सिंह, सहायक निदेशक (भाषा), कार्यालय उप निदेशक, पूर्वी क्षेत्र, हिंदी शिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, कोलकाता, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के प्रतिभागियों के साथ कार्यशाला के दौरान

ख. प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

(i) नवनियुक्त प्रभागीय लेखाकारों के लिए 15 से 24 अप्रैल 2024 तक प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

लोक निर्माण खातों का प्रबंधन करने के लिए 1855 में स्थापित प्रभागीय लेखाकार संवर्ग का वित्तीय प्रबंधन और जवाबदेही में योगदान देने का एक इतिहास रहा है। 1858 और 1889 में समिति की सिफारिशों के माध्यम से इसकी भूमिका को औपचारिक रूप दिया गया और 1925 में आधिकारिक तौर पर भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग में एकीकृत किया गया, जो राज्य सरकार के प्रभागीय कार्यालयों में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के अधीन काम करता था।

प्रभागीय लेखाकारों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने हेतु, एक व्यापक प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शामिल थे:

- **विभाग और परिचालन का परिचय**: विभागों और उनके परिचालन रूपरेखा का अवलोकन।
- **नियम और कानून**: सीपीडब्ल्यूडी मैनुअल, सीपीडब्ल्यूए कोड, 1872 के अनुबंध अधिनियम और 1996 के

मध्यस्थता और सुलह अधिनियम पर अंतर्दृष्टि।

- **विभागीय कार्यपद्धति**: विभागीय और सीवीसी मैनुअल, सीसीएस (आचरण) नियम, निविदा प्रक्रिया, आरए बिल और अनुबंधों के कर निहितार्थ पर विस्तृत चर्चा।
- **व्यावहारिक कौशल**: पश्चिम बंगाल ट्रेजरी नियम, एमएस-ऑफिस और ई-ऑफिस पर प्रशिक्षण।
- **सॉफ्ट स्किल्स**: संचार, प्रेरणा और नैतिकता।

क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के महानिदेशक ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और विभाग के बारे में बताया।

उल्लेखनीय बाह्य संकाय सदस्यों में श्री सतीश एम., उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री प्रदीप कुमार सेनापति, वरिष्ठ प्रभागीय लेखा अधिकारी, राजमार्ग प्रभाग, पीडब्ल्यूडी, श्री बिकाश चंद्र चंदा, वरिष्ठ प्रभागीय लेखा अधिकारी, दक्षिणी मैकेनिकल प्रभाग, पीडब्ल्यूआरडी, श्री सुभाशीष दासगुप्ता, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, महालेखाकार (ले.व.ह.), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री आलोक सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री अनिर्वाण कुमार मित्रा, वरिष्ठ प्रभागीय लेखा अधिकारी, महालेखाकार (ले.व.ह.), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री आलोक कुमार चक्रवर्ती, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, पीडब्ल्यूडी, तमलुक प्रभाग, श्री कौशिक रे, वरिष्ठ प्रभागीय लेखा अधिकारी, पीडब्ल्यूडी, हुगली, श्री देबाशीष पहाड़ी, वरिष्ठ प्रभागीय लेखा अधिकारी, पीडब्ल्यूडी, बर्दवान, श्री प्रमोद कुमार बर्नवाल, प्रभागीय लेखा अधिकारी I, गंगा कटाव निरोधक प्रभाग, श्री तापस रॉय, प्रभागीय लेखा अधिकारी I, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल, श्री कौशिक मजूमदार, प्रभागीय लेखा अधिकारी I, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल, श्री पिनाकी घोष, प्रभागीय लेखा अधिकारी I, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल, श्री अभिषेक विश्वास, प्रभागीय लेखा अधिकारी-II, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल, श्री अरिंदम चौधरी, प्रभागीय लेखा अधिकारी-II, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल, श्री तन्मय साहा, प्रभागीय लेखा अधिकारी-II, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल, श्री रूपम चौधरी, प्रभागीय लेखा अधिकारी-II, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल, श्री रुद्रनील दास, सहायक लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल और श्री तापस चंद्र दत्ता, प्रभागीय लेखाकार, पीडब्ल्यूआरडी, हुगली राजमार्ग प्रभाग-1

इन-हाउस संकाय सदस्यों में श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, सुश्री पारिजात सैकिया, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, सुश्री पुनम मालपानी, सहायक

लेखापरीक्षा अधिकारी और श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी शामिल थे।

पाठ्यक्रम का समापन महानिदेशक द्वारा समापन संबोधन के साथ हुआ और प्रतिभागियों से इसे 9.28 की रेटिंग प्राप्त हुई।

श्री अनादि मिश्र, महानिदेशक, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता, नवनियुक्त प्रभागीय लेखाकारों के लिए आयोजित प्रारंभिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के साथ

(ग) मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (अप्रैल से जून 2024)

विभाग में एक निश्चित अवधि तक सेवा प्रदान करने वाले वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारियों और सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 2021 से शुरू हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे व्यवसायिक, निष्पक्ष और कुशल अधिकारी तैयार करना है जो विभाग की आवश्यकताओं के प्रति सजग हो। एमसीटीपी यह सुनिश्चित करता है कि अधिकारियों को सौंपे गए कार्यों को प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के लिए अपेक्षित ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण हो। अप्रैल से जून 2024 के दौरान, क्षेत्रिय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता में निम्नलिखित एमसीटीपी प्रशिक्षण आयोजित किए गए।

(i) एमसीटीपी लेबल-3 का प्रशिक्षण 05 जून से 12 जून 2024 तक आयोजित किया गया।

एमसीटीपी लेवल-3 का प्रशिक्षण 05 जून 2024 से 12 जून 2024 तक क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता में आयोजित किया गया। एमसीटीपी लेवल-3 का प्रशिक्षण विशेष रूप से उन अधिकारियों के लिए डिज़ाइन किया गया था जिन्होंने वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर न्यूनतम बारह वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाना था।

प्रशिक्षण का आरंभ क्षेत्रिय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता के महानिदेशक द्वारा हार्दिक अभिनंदन के साथ हुआ, जिसमें भूमिका परिवर्तन के प्रबंधन और पेशेवर आचरण को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों ने महत्वपूर्ण विविध क्षेत्रों की खोज की, जिसमें स्वायत्त निकायों के लिए लेखापरीक्षा अभ्यास, हितधारकों के साथ संचार रणनीतियाँ, आंतरिक नियंत्रण, धोखाधड़ी का पता लगाना, जीईएम विशेषताओं और आईटी वातावरण में लेखापरीक्षा शामिल हैं। प्रशिक्षण में सार्वजनिक व्यय सिद्धांत, राजकोषीय जिम्मेदारी और हितधारक जुड़ाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई, जिससे सरकारी वित्त के प्रबंधन और कानूनी मामलों को समझने में अंतर्दृष्टि मिली।

प्रशिक्षण का मुख्य आकर्षण कोलकाता के हावड़ा स्थित आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान की फील्ड ट्रिप थी। प्रतिभागियों ने 250 साल पुराने बरगद के पेड़ को देखा,जो भारत में सबसे बड़े पेड़ों में से एक है और यह 14,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैली हुई है।

कार्यक्रम का समापन मॉक टेस्ट फीडबैक सत्र और महानिदेशक के अभिभाषण के साथ हुआ, जिससे सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा मिला और सीएजी समुदाय में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिला।

प्रशिक्षण के लिए संकाय सदस्यों में श्री अनादि मिश्र, प्रधान महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता और महानिदेशक,क्षेत्रिय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान , कोलकाता, श्री पवन कुमार कोंडा, वरिष्ठ उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री सतीश एम., उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री मोहम्मद सुहैल फजल, उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), मध्य प्रदेश, ग्वालियर, और सुश्री अदिति शर्मा, वरिष्ठ उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता।

विशेषज्ञ संकाय सदस्यों में फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल में क्लस्टर मैनेजर (सेल्स) श्री आशितोष बाबर, आईसीबीआई में चीफ एम्पावरमेंट कोच सुश्री तरनजीत कौर चौहान, एसोसिएट चार्टर्ड अकाउंटेंट्स में चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री अरिजीत चक्रवर्ती, सीबीडीटी में डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स सुश्री दीप्ति बग्गा, रामकृष्ण मिशन में संवाददाता श्री स्वामी वेदतीतानंद, फ्रीलांस श्री अरिजीत घोष और नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसाइटी में प्रोग्राम मैनेजर डॉ. चंद्रिमा सिन्हा शामिल थे। इन-हाउस संकाय सदस्यों में श्री उज्जवल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी शामिल थे।

श्री अनादि मिश्र, महानिदेशक, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता एमसीटीपी लेवल-3 के प्रतिभागियों के साथ

(घ) ज्ञान केंद्र की गतिविधियाँ (अप्रैल से जून 2024)

(i) ग्राम पंचायतों के संबंध में तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता (टीजीएस) के कार्यान्वयन पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 से 25 अप्रैल 2024 तक आयोजित किया गया।

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान (क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं), कोलकाता को स्थानीय शासन एवं परिवहन क्षेत्र के लिए ज्ञान केंद्र के रूप में नामित किया गया है, जिसका उद्देश्य इन क्षेत्रों में उत्कृष्टता को बनाए रखना तथा सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रसार करना है। इस संबंध में, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता ने अप्रैल 2024 के लिए टीजीएस के कार्यान्वयन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

प्रशिक्षण का आरंभ भारत के अपर उप नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (ए.डी.ए.आई), स्थानीय सरकार लेखापरीक्षा द्वारा किया गया, जिन्होंने ऑनलाइन भाग लिया। क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के महानिदेशक ने ए.डी.ए.आई (स्थानीय सरकार लेखापरीक्षा), महानिदेशक और प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रारंभिक सत्रों में टीजीएस से संबंधित सीएजी मुख्यालय की पहल, राज्यों द्वारा प्रदान किए गए लेखापरीक्षा अधिदेश और विभिन्न राज्यों में टीजीएस के कार्यान्वयन पर चर्चा शामिल थी। महानिदेशक, स्थानीय सरकार लेखापरीक्षा ने टीजीएस कार्यान्वयन, टीजीएस की आवश्यकता और ए.टी.आई.आर की तैयारी पर बहुमूल्य जानकारी साझा की।

टीजीएस में हितधारकों की भूमिका और जिम्मेदारियाँ, टीजीएस कैलेंडर और एजेंडा, राज्य स्तर पर टीजीएस निष्पादन की रिपोर्टिंग समीक्षा, टीजीएस निगरानी और मूल्यांकन रूपरेखा, तथा एमआईएस और एटीआईआर प्रारूप पर चर्चा जैसे विषयों को भी शामिल किया गया। प्रशिक्षण का समापन स्थानीय सरकार लेखापरीक्षा के महानिदेशक के नेतृत्व में हुआ।

प्रतिभागियों को लाइट एंड साउंड शो देखने के लिए विक्टोरिया मेमोरियल जाने और प्रिंसेप घाट जाने का अवसर भी प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के लिए बाह्य संकाय सदस्यों में श्री बी. के. मुखर्जी, महानिदेशक, स्थानीय सरकार लेखापरीक्षा विंग, सीएजी कार्यालय, नई दिल्ली, सुश्री प्रतिभा दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), असम, गुवाहाटी, सुश्री सदाफ शेख, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), महाराष्ट्र, और श्री अमित कुमार मित्तल, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, स्थानीय सरकार लेखापरीक्षा विंग, नई दिल्ली शामिल थे।

पाठ्यक्रम को काफी प्रशंसा मिली तथा प्रतिभागियों से इसे 9.50 की उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुई।

अप्रैल 2024 में तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता (टीजीएस) के कार्यान्वयन पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के ऑनलाइन शुभारंभ के दौरान सुश्री यशोधरा रे चौधरी, एडीएआई, स्थानीय सरकार लेखापरीक्षा।

श्री बी. के. मुखर्जी, महानिदेशक, स्थानीय सरकार लेखापरीक्षा विंग, मुख्यालय नई दिल्ली, अप्रैल 2024 में आयोजित तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता (टीजीएस) के कार्यान्वयन पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ

(ii) क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता में अनुसंधान पत्र तैयार करने हेतु युवा पेशेवरों की भर्ती

मुख्यालय के निदेशानुसार, "स्थानीय निकायों की लेखापरीक्षा में जीआईएस के प्रयोग" और "स्थानीय निकायों में लैंगिक मुद्दे" शीर्षक पर अनुसंधान पत्र तैयार करने के लिए दो युवा पेशेवरों' का चयन किया गया। संस्थान ने 17 आवेदन प्राप्त किए और उनकी जांच की। योग्यता और अनुभव के आधार पर, छह अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए चुना गया।

सुश्री रीना साहा, महानिदेशक, लेखापरीक्षा (पूर्व रेलवे) कोलकाता की अध्यक्षता में साक्षात्कार पैनल ने साक्षात्कार आयोजित किए,जिसमें क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता के महानिदेशक श्री अनादि मिश्र और सुश्री निर्मलामती मैसनाम प्रधान निदेशक (आरपीयू और एमआर), कोलकाता शामिल थे। चयन प्रक्रिया के बाद, दो युवा पेशेवरों को परियोजनाओं के लिए चुना गया, और दो आरक्षित अभ्यर्थियों का भी चयन किया गया। सभी चयनित अभ्यर्थी तब से संस्थान से जुड़ गए।

सुश्री रीना साहा, महानिदेशक लेखापरीक्षा (पूर्व रेलवे), कोलकाता और श्री अनादि मिश्र, महानिदेशक, आरसीबीकेआई, कोलकाता और सुश्री निर्मलामती मैसनम, प्रधान निदेशक (आरपीयू और एमआर), कोलकाता द्वारा युवा पेशेवरों का साक्षात्कार

(iii) *एसटीएम/केस स्टडीज/अनुसंधान पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ*

पश्चिम बंगाल राजमार्ग विकास निगम लिमिटेड (डब्ल्यूबीएचडीसीएल) द्वारा टोल शुल्क का संग्रह न करने के परिणामस्वरूप 2.56 करोड़ रुपये के राजस्व की परिहार्य हानि होने पर एक केस स्टडी 1 अप्रैल 2024 को मुख्यालय को भेजी गई थी। इसके अतिरिक्त, "सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के कार्यान्वयन से संबंधित पीआरआई के ऑडिट" पर एक केस स्टडी 27 अप्रैल 2024 को मुख्यालय कार्यालय को भेजी गई थी। इसके अलावा, उपनगरीय रेलवे, मुंबई में ट्रेन प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन पर एक केस स्टडी 24 मई 2024 को मुख्यालय कार्यालय को भेजी गई थी।

पंचायती राज संस्थाओं के वित्तीय लेखापरीक्षा पर संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल (एसटीएम) मुख्यालय को भेजा गया है। इसके अतिरिक्त, रेलवे के वित्त और विनियोग खातों की लेखापरीक्षा पर एसटीएम को अद्यतन करने का काम अभी चल रहा है। 73वें संशोधन अधिनियम पर संरचित शिक्षण मॉड्यूल (एसएलएम) भी तैयार कर मुख्यालय को भेजा गया है।

(ड़) सामान्य प्रशिक्षण (अप्रैल से जून, 2024)

(i) *सतत विकास लक्ष्यों के साथ पर्यावरण लेखापरीक्षा पर कार्यशाला* 18 *से* 20 *जून*, 2024 *तक आयोजित की गई है*

पर्यावरण संबंधी कानूनों, विनियमों और नीतियों की प्रभावशीलता और दक्षता का मूल्यांकन करने के लिए पर्यावरण ऑडिट किए जाते हैं। ये ऑडिट पर्यावरण संसाधनों के प्रबंधन और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने में सरकारी निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों के प्रदर्शन का आकलन करते हैं, जिसका उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही और बेहतर पर्यावरणीय शासन को बढ़ावा देना है।

हाल ही में आयोजित कार्यशाला की शुरुआत लेखापरीक्षा गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रासंगिक विषयों पर विस्तृत चर्चा के साथ आरंभ हुई। प्रशिक्षण में भारत में पर्यावरण संबंधी चुनौतियों, भारत के संवैधानिक ढांचे के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण लेखापरीक्षा के मूल सिद्धांतों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों ने पर्यावरण लेखापरीक्षा में सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थानों (एसएआई) की भूमिका, सीएजी/आईसीईडी द्वारा जारी किए गए लेखापरीक्षा मानकों और कार्यप्रणालियों तथा पर्यावरण से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को राष्ट्रीय रणनीतियों के साथ संरेखित करने के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कार्यशाला में बजट और योजनाओं के साथ एसडीजी की मैपिंग, पर्यावरण ऑडिट में विशिष्ट एसडीजी के संदर्भ और सीएजी ऑडिट रिपोर्ट पर आधारित केस स्टडी पर गहन सत्र भी शामिल किया गया। पूर्वी कोलकाता आर्द्रभूमि में जल प्रदूषण के मुद्दे, समाज और पर्यावरण के बीच सामंजस्य और भारत में ठोस कचरे के प्रबंधन जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त, झील विकास प्राधिकरण और शहरी स्थानीय निकायों के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत झील संरक्षण और पारिस्थितिक बहाली के प्रदर्शन ऑडिट पर केस स्टडी केंद्रित थी।

प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्यों में श्री पुष्कर कुमार, महालेखाकार, महालेखाकार (ले.व.ह.), बिहार, पटना, श्री प्रिन्सन वर्गीस, उप महालेखाकार, प्रधान महालेखाकार (ले.व.ह.), कर्नाटक, बेंगलुरु, श्री गौतम गहलौत, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (ईएसडी), श्री मनोज कुमार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण लेखापरीक्षा और सतत विकास केंद्र, सुश्री नोबिना गुप्ता, संस्थापक निदेशक, डिसएपियरिंग डायलॉग्स कलेक्टिव एलएलपी, श्री तुहिन घोष, प्रोफेसर और निदेशक, समुद्र विज्ञान अध्ययन स्कूल, जादवपुर विश्वविद्यालय, और डॉ. नंदा दुलाल दास, निदेशक, राष्ट्रीय लेखापरीक्षा और लेखा अकादमी शामिल थे

पाठ्यक्रम को काफी प्रशंसा मिली, प्रतिभागियों से इसे *9.30* की उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुई.

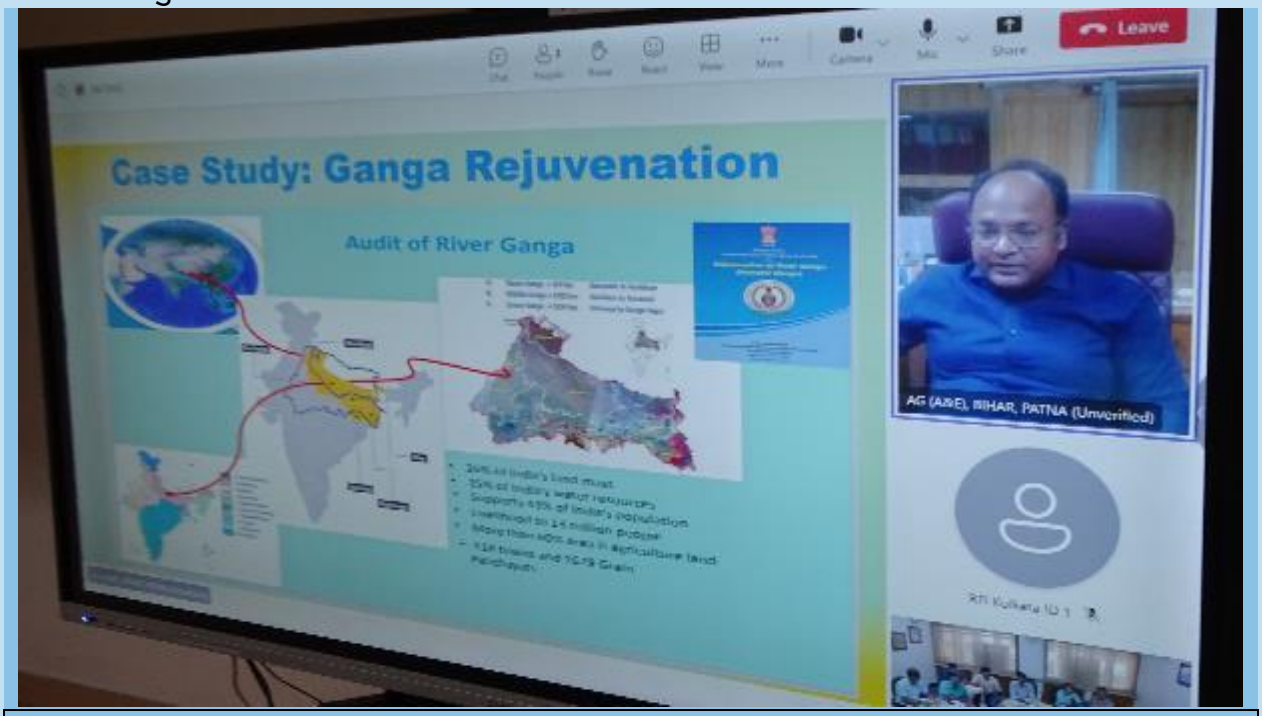

श्री पुष्कर कुमार, महालेखाकार, महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), बिहार, पटना जून 2024 में आयोजित सतत विकास लक्ष्यों के साथ पर्यावरण लेखापरीक्षा पर कार्यशाला में अपने सत्र के दौरान

(ii) **वेतन एवं लेखा कार्यालय का लेखापरीक्षा 11 से 14 जून 2024 तक आयोजित किया गया।**

श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कोर फैकल्टी, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं जून 2024 में आयोजित प्रशिक्षण में वेतन एवं लेखा कार्यालय के प्रतिभागियों के साथ

वेतन एवं लेखा कार्यालय की लेखापरीक्षा में लेखापरीक्षकों के कौशल को बढ़ाने के लिए, संस्थान ने 11 जून से 14 जून, 2024 तक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण में महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), कोलकाता और पोर्ट ब्लेयर स्थित उनके शाखा कार्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण की शुरुआत विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ आरंभ हुई।

कार्यक्रम में वेतन एवं लेखा कार्यालय के संचालन को समझने और सुधार हेतु महत्वपूर्ण विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया गया। मुख्य विषयों में वेतन एवं लेखा कार्यालय के संचालन का परिचय, वेतन एवं लेखा कार्यालय के कर्तव्य और जिम्मेदारियाँ, लेखा के मुख्य, लघु और विस्तृत शीर्षों की कार्यप्रणाली शामिल थी। प्रशिक्षण में वेतन एवं लेखा कार्यालय की प्राप्ति और लेखा कार्यगति, मान्यता प्राप्त बैंकों, फोकल प्वाइंट बैंक और दावा निपटान के लिए आरबीआई के बीच लेन-देन की प्रक्रिया और रसीद स्क्रॉल, भुगतान स्क्रॉल, तिथि-वार मासिक डीएमएस, चालान, वाउचर, आरबीआई सत्यापित स्पष्ट कथन, मासिक ई-भुगतान संग्रह रिपोर्ट और बैंक अनुबंध शीट को संभालना भी शामिल था।

प्रतिभागियों ने विफल लेनदेन को संभालने, रेवैक्ट सिस्टम में दैनिक टेक्स्ट फाइलों के आधार पर राजस्व आंकड़ों (सीमा शुल्क और आईजीएसटी) का मिलान करने और सीबीडीटी और आरएएमएस के जेडएओ में प्रत्यक्ष कर लेखा प्रणाली (प्रकल्प) का

उपयोग करने के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण में रिफंड खाते, रिफंड वाउचर, स्वीकृति आदेश और स्क्रॉल के आधार पर रिफंड का मिलान और सत्यापन, और पीएफएमएस में विभिन्न मॉड्यूल जैसे बजट तैयार करना, ई-बिल सहित बिल पास करना, स्थानांतरण प्रविष्टियां और पीएफएमएस के माध्यम से प्राप्तियों और भुगतानों का मासिक मिलान, खातों की तैयारी, ईआईएस, जीपीएफ और आयकर शामिल थे।

प्रशिक्षण का संचालन संकाय सदस्यों द्वारा किया गया, जिनमें श्री दीपांकर भट्टाचार्य, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, जेडएओ, सीबीडीटी, कोलकाता, श्री दुर्जय दत्ता, सहायक लेखा अधिकारी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, श्री सोमप्रकाश महंत, स.ले.प.अ., जेडएओ, सीबीडीटी, कोलकाता, श्री कौशिक कुमार चटर्जी, व.ले.प.अ., सिविल लेखा, श्री मानस कुमार साहू, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरपीएओ, आईबी, शिलांग, और श्री नवनीत लाल कंचन, सहायक लेखा अधिकारी, वेतन और लेखा अधिकारी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, कोलकाता शामिल थे।.

पाठ्यक्रम का समापन फीडबैक सत्र और समापन समारोह के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों से 9.38 की उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुई।

(iii) तिमाही के दौरान आयोजित अन्य सामान्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

इसके अतिरिक्त, अप्रैल से जून 2024 की अवधि के दौरान क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के आईएस विंग द्वारा निम्नलिखित सामान्य प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए:

क्रम सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम एवं अवधि	प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संकाय सदस्यों का नाम		
		भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग के अंतर्गत	भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग के अलावा अन्य	इन-हाउस संकाय सदस्य
1.	**कंपनी अधिनियम सहित वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (22 से 25 अप्रैल 2024)**	1. श्री प्रोसेनजीत सेन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला)। 2. श्री शैलेन्द्र चौधरी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता	1. श्री अरिजीत चक्रवर्ती, सीए, एसोसिएट चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, 2. श्री रोशन कुमार बजाज, सीए, आईसीएआई। 3. श्री गोपाल जैन, सीए, सिंघी कंपनी, 4. श्री रवि कुमार गुप्ता, सीए,	-

			कार्यकारी निदेशक (वित्त), हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड	
2.	**स्वायत्त निकायों की लेखापरीक्षा और लेखा (07 से 10 मई, 2024)**	1. श्री अजय कुमार झा, निदेशक, कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (कृषि, खाद्य एवं जल संसाधन), नई दिल्ली, 2. श्री रजनीश झा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, डीजीए (एचई एंड एसडी) का कार्यालय, 3. श्री मनीष कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) कोलकाता, 4. श्री अनिंद्य दासगुप्ता, महालेखाकार, प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), हैदराबाद, 5. श्री दुर्गा शंकर जयसवाल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, 6. श्री अभिजीत जाना, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, महानिदेशक लेखापरीक्षा (पर्यावरण	1. श्री विजय सिंह विराट, वित्त एवं लेखा अधिकारी, आईआईएम, जोका, कोलकाता	1. श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं., कोलकाता

		एवं वैज्ञानिक विभाग), कोलकाता शाखा		
3	**वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (13 से 17 मई 2024)**	1. श्री विवेक कुमार शर्मा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, महानिदेशक लेखापरीक्षा (खान) कोलकाता, 2. श्री प्रोसेनजीत सेन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला),	1. श्री अरिंदम सेनगुप्ता, सीए, आईसीएआई, 2.श्री. रोशन कुमार बजाज, सीए, आईसीएआई., 3. श्री सुनीत कुमार बासु, सीए, आईसीएआई, 4.श्री. सुनील बजाज, सीए, आईसीएआई, 5.श्री विवेक अग्रवाल, सीए, आईसीएआई, आईसीएसआई, 6. श्री तन्मय दास मोहापात्रा, सीए आईसीएआई, 7. श्री सुरेश धरावथ, आईसीएलएस, उप निदेशक, कारपोरेट कार्य मंत्रालय	-
4	**वित्तीय सत्यापन ऑडिट (14 से 17 मई, 2024)**	1. श्री मोहम्मद सुहैल फ़ज़ल, उप निदेशक, महानिदेशक लेखापरीक्षा, पूर्व रेलवे, कोलकाता, 2. सुश्री अपर्णा दास, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा - I), पश्चिम बंगाल, कोलकाता,	-	1. श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता

		3. सुश्री शैलजा खरे, वरिष्ठ उप महालेखाकार, महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, 4. सुश्री रुम्प रॉय चौधरी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा - I), पश्चिम बंगाल, कोलकाता। 5. श्री जोयदीप बासु रॉय चौधरी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I) पश्चिम बंगाल, कोलकाता। 6. श्री सिबी जॉन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), पश्चिम बंगाल, कोलकाता		

(च) सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण (अप्रैल से जून, 2024)

(i) डाटा एनालिटिक्स प्रशिक्षण 13 से 17 मई 2024 तक आयोजित किया गया।

डाटा एनालिटिक्स, सहायक जानकारी प्राप्त करने, रुझानों की पहचान करने और डाटा-संचालित निर्णय लेने के लिए डाटासेट की जांच करने की प्रक्रिया, ऑडिटिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसमें पैटर्न, संयोजन और अंतर्दृष्टि के प्रकटीकरण हेतु डाटा का व्यवस्थित कम्प्यूटेशनल विश्लेषण शामिल है जो निर्णय लेने और निष्पादन में मदद कर सकता है। ऑडिटिंग में, डाटा एनालिटिक्स महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लेखापरीक्षक को विसंगतियों का पता लगाने, जोखिम का आकलन करने और ऑडिट

प्रक्रिया की सटीकता और दक्षता में सुधार करने में मदद करता है।

डाटा एनालिटिक्स पाठ्यक्रम का शुभारंभ डाटाबेस के परिचय के साथ हुआ। इसमें कई विषयों को शामिल किया गया, जिनमें शामिल हैं:

- आई.डी.ई.ए का परिचय और ऑडिट में इसकी प्रासंगिकता।
- विभिन्न फ़ाइल स्वरूपों और आयात विधियों को समझना ।
- आयात प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने हेतु आयात असिस्टेंट का उपयोग करना।
- डाटा को दर्शानें और क्रमबद्ध करने के लिए समीकरण संपादन का उपयोग करना।
- डाटा को वर्गीकृत करने, डुप्लिकेट इनवॉइस ढूंढने और अनुपस्थित सामानों का पता करने।
- आई.डी.ई.ए उन्नत विज़ुअलाइज़ेशन और केस स्टडीज़ पर टेबल्यू का परिचय।

प्रशिक्षण का संचालन प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों द्वारा हुआ: जिनमें श्री सतीश एम., उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री अब्राहम जे सेफास ए., वरिष्ठ उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), तमिलनाडु, श्री पवनजीत सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली, श्री सब्यसाची प्रधान, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, और इन-हाउस संकाय सदस्य श्री सुशोभन चटर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी शामिल थे।

पाठ्यक्रम का समापन विदाई समारोह के साथ हुआ और इसे 9.11 की सराहनीय रेटिंग प्राप्त हुई।

मई 2024 में डाटा एनालिटिक्स प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए

(ii) आईडिया प्रशिक्षण 10 से 14 जून, 2024 तक आयोजित किया गया।

आईडिया सॉफ्टवेयर का पूरा नाम इंटरैक्टिव डाटा एक्सट्रैक्शन एंड एनालिसिस है, यह एक शक्तिशाली उपकरण है जो डाटा विश्लेषण, ऑडिट और अनुसंधान के लिए बनाया गया है। इसका प्राथमिक उद्देश्य ऑडिटिंग और वित्तीय विश्लेषण संदर्भों में डाटा संग्रह, विश्लेषण और विज़ुअलाइज़ेशन को सुविधाजनक बनाना है। आईडिया सॉफ्टवेयर का उपयोग सीएजी के ऑडिटर वित्तीय डाटा का विश्लेषण करने, विसंगतियों का पता लगाने और विनियामक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए करते हैं।

इस सॉफ़्टवेयर के उपयोग से सिएजी के लेखापरीक्षकों के कौशल और तकनीक को बढ़ाने के उद्देश्य से, संस्थान ने 10 मई से 14 मई, 2024 तक एक व्यापक आईडिया प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम में कई सत्र शामिल किए गए:

- आईडिया और इसकी विशेषताओं का परिचय।
- परियोजना और फ़ाइल प्रबंधन।
- विशिष्ट रिकॉर्ड्स को अलग करना और सहेजना।
- सारांश, डुप्लिकेट और गैर-डुप्लिकेट का पता लगाना।
- अनेक डेटाबेस का उपयोग करना और डेटाबेस को जोड़ना।

सम्मानित संकाय सदस्यों में श्री अनिंद्य दासगुप्ता, प्रधान निदेशक, प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), हैदराबाद, श्री सतीश एम., उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री मुकुल जामलोकी, उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (ले.व.ह.), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री समरेश रॉय (राम), वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), पश्चिम बंगाल, कोलकाता और श्री सब्यसाची प्रधान, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता शामिल थे।

पाठ्यक्रम को सराहनीय 9.41 अंक की रेटिंग प्राप्त हुई।

श्री अनिंद्य दासगुप्ता, प्रधान निदेशक, कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), हैदराबाद, जून 2024 में आयोजित आईडिया प्रशिक्षण पर अपने सत्र के दौरान

(iii) एमएस एक्सेल एडवांस प्रशिक्षण 24 से 28 जून 2024 तक आयोजित की गई।

एडवांस एमएस एक्सेल का प्रशिक्षण सीएजी के लेखापरीक्षक को लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं और कार्यालयी कार्य को कुशलतापूर्वक निभाने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान

करता है। **VLOOKUP, INDEX-MATCH** और **PivotTables** जैसे एडवांस एक्सेल कार्यों में निपुणता हासिल करके लेखापरीक्षक विस्तृत डाटासेट का कुशलतापूर्वक विश्लेषण कर सकते हैं, पैटर्न की पहचान कर सकते हैं और सार्थक अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं। यह दक्षता लेखापरीक्षक को डाटा प्रोसेसिंग को सुव्यवस्थित करने, दोहराए जाने वाले कार्यों को स्वचालित करने और गतिशील रिपोर्ट बनाने, लेखापरीक्षा सठीकता और प्रभावशीलता में सुधार लाने में सक्षम बनाती है। इसके अलावा, एडवांस एक्सेल कौशल लेखापरीक्षक को जटिल वित्तीय विश्लेषणों को समझने, डाटा-संचालित लेखापरीक्षा और निष्कर्षों को स्पष्ट और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करने में सक्षम बनाता है।

क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं कोलकाता के महानिदेशक द्वारा आरंभ किए गए पांच दिवसीय पाठ्यक्रम की शुरुआत एमएस एक्सेल के व्यावहारिक अनुप्रयोग पर केंद्रित परिचयात्मक सत्रों के साथ शुरू हुआ। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त की जैसे कि फ़ाइल और डाटा आयात करने, मूल और एडवांस फ़ार्मुलों और कार्यों (VLOOKUP, HLOOKUP, INDEX-MATCH, SUMIFS, COUNTIF,AVERAGEIF, CONCATENATE, TEXTJOIN, DGET, DSUM, DCOUNT, आदि सहित) का प्रयोग करके गणना करना, एक्सेल पिवट टेबल और पावर क्वेरी का प्रयोग करके डाटा विश्लेषण को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त, एक्सप्लोरेटरी डाटा एनालिसिस (ईडीए) पर केस स्टडीज़ ने प्रतिभागियों को एक्सेल परिवेश में जटिल डाटासेट को प्रभावी ढंग से समझने में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की।

प्रशिक्षण में बाह्य संकाय सदस्यों में श्री सुमित बिहानी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, श्री हेमंत कुमार पाल और श्री अनिमेष देब रॉय, आईटी विशेषज्ञ, और कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), कोलकाता से श्री तपन कुमार बिस्वाल, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी शामिल थे। इन-हाउस संकाय सदस्यों में श्री सुशोभन चटर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, और सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी शामिल थे। जिन्होंने प्रतिभागियों से अपनी विशेषज्ञता साझा की।

पाठ्यक्रम में प्रतिभागियों के प्रश्नों के समाधान के लिए विशेष केस स्टडीज और संदेह निवारण सत्र शामिल किए गए। कार्यक्रम का समापन फीडबैक सत्र और समापन संबोधन के साथ हुआ, पाठ्यक्रम को 9.47 की शानदार रेटिंग प्राप्त हुई।

श्री अनादि मिश्र, महानिदेशक, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता, जून, 2024 में आयोजित एमएस एक्सेल एडवांस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के साथ

(iv) तिमाही के दौरान आयोजित अन्य आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम।

इसके अलावा, अप्रैल से जून, 2024 की अवधि के दौरान क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के आईएस विंग द्वारा निम्नलिखित आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए :

क्रम सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम और अवधि	प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संकाय सदस्यों का नाम		
		भा.ले.व.ले.वि. के अंतर्गत	भा.ले.व.ले.वि. के अतिरिक्त अन्य	इन-हाउस संकाय सदस्य
1	ओआईओएस (09 अप्रैल से 10 अप्रैल 2024)	-	-	श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी एवं श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
2	ओआईओएस (17 अप्रैल से 18 अप्रैल 2024)	-	-	श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी एवं श्री चंदन

				कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
3	ओआईओएस (08 मई से 09 मई 2024)	-	-	श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी एवं श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
4	ओआईओएस (05 जून से 06 जून 2024)	-	-	श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी एवं श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

छ. उपयोगकर्ता कार्यालयों की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा प्रदान किया गया।

क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञां.सं, कोलकाता में दो आईटी लैब और एक सम्मेलन कक्ष है। संस्थान उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता करता है। अप्रैल से जून, 2024 की अवधि में, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता में निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:

क्रम सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	अवधि	उपयोगकर्ता कार्यालय का नाम
1	नीली अर्थव्यवस्था पर विशेष महत्त्व एवं पश्चिम बंगाल में मत्स्यपालन का विकास	04 अप्रैल 2024	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल
2	घाटे पर चल रही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पर डीसीए	05 अप्रैल 2024	
3	डब्ल्यूबीएमडीटीसीएल के ई-पोर्टल का आईटी लेखापरीक्षा	08 अप्रैल से 09 अप्रैल 2024	
4	पशु संसाधन विकास विभाग में बुनियादी ढांचे की पर्याप्तता और दक्षता	29 अप्रैल से 30 अप्रैल 2024	

ज. उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

किसी भी प्रशिक्षण संस्थान की उत्कृष्टता और गुणवत्ता का प्रदर्शन उनकी सबसे मूल्यवान संपदा संकाय सदस्य ही होते हैं। इसलिए प्रशिक्षण संस्थानों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि संकाय सदस्यों को प्रशिक्षण हेतु पर्याप्त सहायता और अवसर प्रदान किए जाएं। जब संकाय सदस्यों को प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में भाग लेने की अनुमति दी जाती है, साथ ही जब उन्हें इस विभाग और अन्य विभागों के कार्यालयों में प्रशिक्षण देने के लिए भेजा जाता है, तो उनका संस्थान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनता है।

इस दिशा में, क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता के संकाय सदस्यों को विभिन्न कार्यालयों में प्रशिक्षण सत्र हेतु भी भेजा गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

क्रम सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	सत्रों की संख्या	जिस कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया	संकाय का नाम
1	नोडल अधिकारियों के लिए ओआईओएस प्रशिक्षण	04 अप्रैल 2024	2	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), पश्चिम बंगाल	श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
2	अमृत(AMRUT) पर निष्पादन लेखापरीक्षा के लिए ओआईओएस प्रशिक्षण	16 अप्रैल 2024	4	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), पश्चिम बंगाल	श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
3	ओआईओएस अनुवर्ती प्रशिक्षण (ऑनलाइन)	16 अप्रैल 2024	2	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, कोयला, कोलकाता	श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
4	लेखापरीक्षा-I कार्यालय में परिवीक्षाधीन अधिकारियों और	19 अप्रैल से 22 अप्रैल 2024 तक	8	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), पश्चिम बंगाल	श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

	अप्रशिक्षितों के लिए ओआईओएस प्रशिक्षण				
5	ओआईओएस अनुवर्ती प्रशिक्षण (ऑनलाइन)	10 मई 2024	2	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (आरपीयू एवं एमआर), चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स	श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
6	ओआईओएस अनुवर्ती प्रशिक्षण, एमआईएस रिपोर्ट और एसएससीए/पीए	14 मई 2024	2	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल	श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
7	डीसीए/पीए, यूएलबी के दौरान ओआईओएस प्रशिक्षण केडी लिंकिंग	30 मई 2024	4	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), पश्चिम बंगाल	श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
8	ओआईओएस - वाउचर ऑडिट	25 जून 2024	2	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल	श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
9	ओआईओएस - बी.आई रिपोर्ट	26 जून 2024	1	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल	श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
10	नोडल टीम द्वारा ई-एचआरएमएस 2.0 सत्र (ऑनलाइन)	12 अप्रैल 2024	2	कार्यालय महानिदेशक (केन्द्रीय), कोलकाता	श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
11	नोडल टीम द्वारा ई-एचआरएमएस	16 अप्रैल 2024	2	कार्यालय महानिदेशक, पूर्व रेलवे, कोलकाता	श्री सनी पासी, सहायक

	2.0 सत्र (ऑनलाइन)				लेखापरीक्षा अधिकारी
12	नोडल टीम द्वारा ई-एचआरएमएस 2.0 सत्र (ऑनलाइन)	18 अप्रैल 2024	2	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल	श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
13	नोडल टीम द्वारा ई-एचआरएमएस 2.0 सत्र (ऑनलाइन)	22 अप्रैल 2024	2	कार्यालय महानिदेशक (केंद्रीय), कोलकाता, एएनआई शाखा	श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
14	नोडल टीम द्वारा ई-एचआरएमएस 2.0 सत्र (ऑनलाइन)	23 अप्रैल 2024	2	कार्यालय महानिदेशक, आयुध कारखाना, कोलकाता	श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
15	प्रतिपूर्ति मॉड्यूल के लिए वर्कफ़्लो सेट (ऑनलाइन)	28 मई 2024	2	कार्यालय महानिदेशक (केंद्रीय), कोलकाता, एएनआई शाखा	श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
16	प्रतिपूर्ति मॉड्यूल के लिए वर्कफ़्लो सेट (ऑनलाइन)	30 मई 2024	2	कार्यालय महानिदेशक, आयुध कारखाना, कोलकाता	श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
17	प्रतिपूर्ति मॉड्यूल के लिए वर्कफ़्लो सेट (ऑनलाइन)	3 जून 2024	2	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, कोयला, कोलकाता	श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
18	प्रतिपूर्ति मॉड्यूल के लिए वर्कफ़्लो सेट (ऑनलाइन)	5 जून 2024	2	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, खान, कोलकाता	श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

19	प्रतिपूर्ति मॉड्यूल के लिए वर्कफ़्लो सेट (ऑनलाइन)	11 जून 2024	2	कार्यालय महानिदेशक (केन्द्रीय), कोलकाता	श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
20	ई-एचआरएमएस (ऑनलाइन)	05 अप्रैल 2024	2	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), स्थानीय लेखापरीक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
21	ई-एचआरएमएस (ऑनलाइन)	16 अप्रैल 2024	2	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), स्थानीय लेखापरीक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
22	ई-एचआरएमएस (ऑनलाइन)	29 अप्रैल 2024	2	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (आरपीयू एवं एमआर), कोलकाता	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
23	ई-एचआरएमएस (ऑनलाइन)	08 मई, 2024	2	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (आरपीयू एवं एमआर), कोलकाता	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
24	ई-एचआरएमएस (ऑनलाइन)	17 मई 2024	2	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), स्थानीय लेखापरीक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
25	ई-एचआरएमएस (ऑनलाइन)	29 मई 2024	2	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (वित्त एवं	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक

				संचार), नई दिल्ली, शाखा कोलकाता	लेखापरीक्षा अधिकारी
26	ई-एचआरएमएस (ऑनलाइन)	11 जून 2024	2	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), स्थानीय लेखापरीक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
27	ई-एचआरएमएस	14 जून 2024	2	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I),पश्चिम बंगाल	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
28	ई-एचआरएमएस	24 जून 2024	2	कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
29	ई-एचआरएमएस (ऑनलाइन)	26 जून 2024	2	कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (आरपीयू एवं एमआर), कोलकाता, बर्दमान शाखा	सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

झ. प्रश्नोत्तरी और स्मृति परीक्षण

1. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कब मनाया जाता है?

- क) जून 21
- ख) मई 1
- ग) जुलाई 4
- घ) अगस्त 15

2. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 का विषय क्या है?

क)" स्वास्थ्य के लिए योग "

ख)" शांति के लिए योग "

ग)" स्वयं और समाज के लिए योग"

घ)" जलवायु कार्रवाई के लिए योग "

3. रवींद्रनाथ टैगोर को किस वर्ष साहित्य में नोबेल पुरस्कार मिला?

क) 1910

ख) 1913

ग) 1925

घ) 1932

4. भारत में राजभाषा अधिनियम कब पारित हुआ?

क) 1949

ख) 1950

ग) 1963

घ) 1976

5. राजभाषा अधिनियम के अनुसार, संघ सरकार के आधिकारिक संचार में किन भाषाओं के उपयोग की अनुमति है?

क) हिंदी और अंग्रेजी

ख) हिंदी और उर्दू

ग) अंग्रेजी और फ्रेंच

घ) हिंदी और क्षेत्रीय भाषाएँ

6. सीएजी द्वारा जारी टीजीएस का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

क) प्राइवेट कंपनियों के वित्तीय विवरण का ऑडिट।

ख) नीति निर्माण में केंद्र सरकार की सहायता करना

ग) लेखापरीक्षा मानकों को बनाए रखने में राज्य लेखापरीक्षा संस्थाओं का मार्गदर्शन करना

घ) स्थानीय निकायों हेतु वित्तीय विवरण तैयार करना

7. कौन-सा अंतर्राष्ट्रीय मानक मुख्य रूप से समेकित वित्तीय विवरण के लेखापरीक्षा को नियंत्रित करता है?

क) IAS 21

ख) ISA 600

ग) IFRS 10

घ) GAAP

8. आईडिया **(IDEA)** सॉफ्टवेयर का पूरा नाम क्या है?

क) Interactive Data Extraction and Analysis

ख) Internal Data Extraction and Analysis

ग) International Data Extraction and Analysis

घ) Intense Data Extraction and Analysis

9. निम्नलिखित में से कौन सी रिपोर्ट सीएजी द्वारा तैयार नहीं की जाती है?

क) विनियोजन खातों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट

ख) वित्त खातों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट

ग) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट

घ) मौद्रिक नीति पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट

10. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा पर्यावरण लेखापरीक्षा मुख्य रूप से आधारित होती है?:

क) शहरी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता जांच

ख) पर्यावरण कानून और विनियमों का अनुपालन

ग) राष्ट्रीय उद्यानों में वन्यजीव संरक्षण

घ) नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन परियोजनाएं

11. सीएजी की पर्यावरण लेखापरीक्षा रिपोर्ट किसे प्रस्तुत की जाती है:

क) पर्यावरण एवं वन मंत्रालय

ख) भारतीय संसद

ग) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

घ) भारतीय हरित न्यायाधिकरण

12. वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) मुख्य रूप से निम्नलिखित का प्रबंधन करते हैं:

क) कर निर्धारण

ख) वेतन संवितरण

ग) सरकारी खरीद

घ) पेंशन भुगतान

ञ. प्रश्नोत्तरी के उत्तर

1. **(क)**
2. **(ग)**
3. **(ख)**
4. **(ग)**
5. **(क)**
6. **(ग)**
7. **(ख)**
8. **(क)**
9. **(घ)**
10. **(ख)**
11. **(ख)**
12. **(ख)**

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता

भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग

तीसरा एमएसओ बिल्डिंग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, 5वीं मंजिल (ए विंग),

डीएफ ब्लॉक, साल्ट लेक, सेक्टर - I, कोलकाता – 700064

दूरभाष नंबर: (033) 23213907/6708

ईमेल: rtikolkata@cag.gov.in

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest